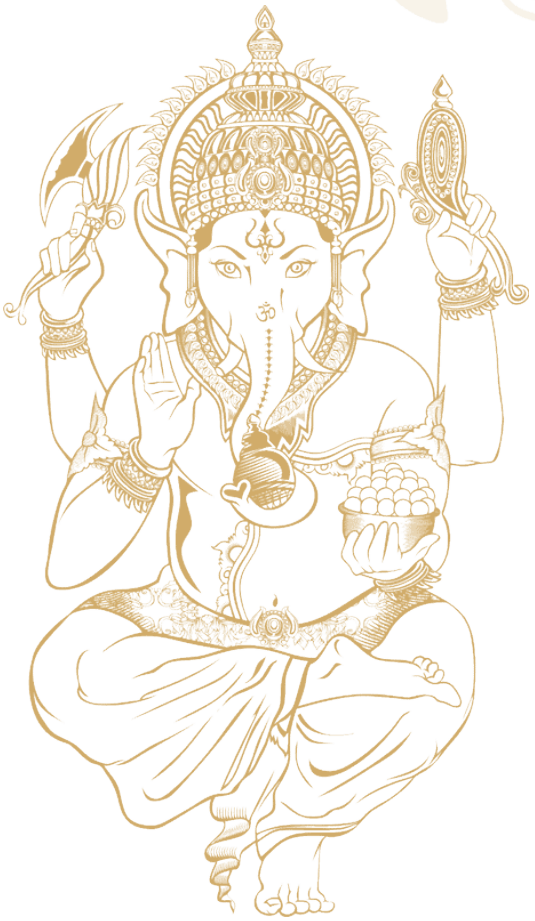

Kartik Kumar

15 Nov 2025

12:08 PM

Gaya

Model: web-freekundliweb

Order No: 121001502

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15/11/2025**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**12:08:00 घंटे**
इष्ट	15:03:37 घटी
स्थान	**Gaya**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:48:00 उत्तर
रेखांश	85:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:18:00 घंटे
वेलान्तर	00:15:27 घंटे
साम्पातिक काल	15:56:26 घंटे
सूर्योदय	06:06:33 घंटे
सूर्यास्त	17:02:41 घंटे
दिनमान	10:56:08 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	28:55:48 तुला
लग्न के अंश	25:23:39 मकर

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मकर - शनि
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	विष्कुम्भ
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पा-पवन
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मक	25:23:39	437:20:32	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
सूर्य			तुला	28:55:48	01:00:27	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	नीच राशि
चंद्र			कन्या	04:12:48	12:10:57	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	मित्र राशि
मंगल		अ	वृश्चि	13:31:35	00:43:37	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	स्वराशि
बुध	व	अ	वृश्चि	10:13:25	00:53:46	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		कर्क	00:54:42	00:00:43	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	उच्च राशि
शुक्र			तुला	16:13:31	01:15:17	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	मूलत्रिकोण
शनि	व		मीन	01:05:10	00:01:22	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
राहु	व		कुंभ	21:55:09	00:01:40	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	21:55:09	00:01:40	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	05:29:13	00:02:29	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मीन	05:19:49	00:00:49	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	07:23:37	00:00:54	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			वृश्चि	07:01:03	--	अनुराधा	--	17	मंगल	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:10

लग्न-चलित

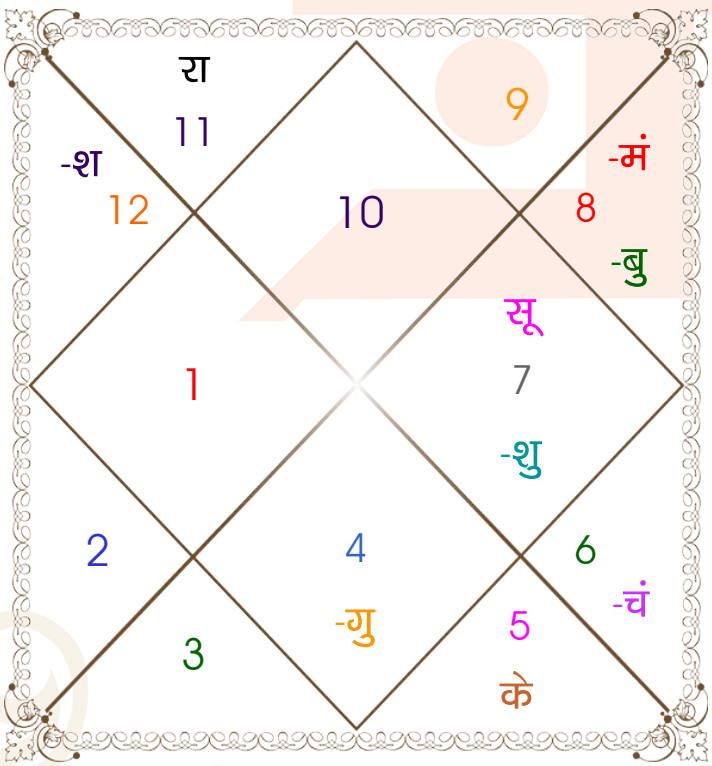

चन्द्र कुंडली

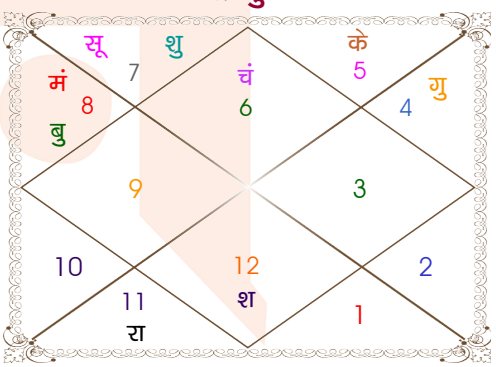

नवमांश कुंडली

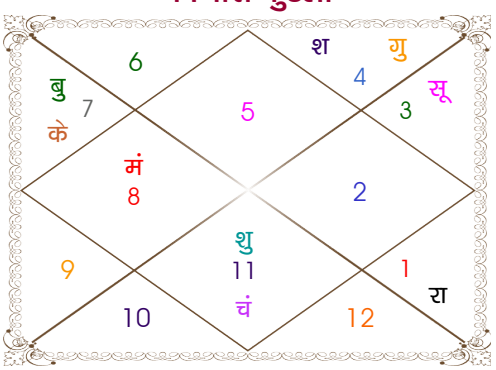

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 2 वर्ष 7 मास 7 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
15/11/2025		23/06/2028		24/06/2038		23/06/2045		24/06/2063	
23/06/2028		24/06/2038		23/06/2045		24/06/2063		24/06/2079	
	00/00/0000	चंद्र	23/04/2029	मंगल	20/11/2038	राहु	06/03/2048	गुरु	11/08/2065
	00/00/0000	मंगल	23/11/2029	राहु	08/12/2039	गुरु	30/07/2050	शनि	22/02/2068
	00/00/0000	राहु	24/05/2031	गुरु	13/11/2040	शनि	05/06/2053	बुध	30/05/2070
	00/00/0000	गुरु	22/09/2032	शनि	23/12/2041	बुध	23/12/2055	केतु	06/05/2071
	15/11/2025	शनि	24/04/2034	बुध	20/12/2042	केतु	10/01/2057	शुक्र	04/01/2074
शनि	12/04/2026	बुध	23/09/2035	केतु	18/05/2043	शुक्र	11/01/2060	सूर्य	23/10/2074
बुध	16/02/2027	केतु	23/04/2036	शुक्र	17/07/2044	सूर्य	04/12/2060	चंद्र	22/02/2076
केतु	24/06/2027	शुक्र	23/12/2037	सूर्य	22/11/2044	चंद्र	05/06/2062	मंगल	28/01/2077
शुक्र	23/06/2028	सूर्य	24/06/2038	चंद्र	23/06/2045	मंगल	24/06/2063	राहु	24/06/2079

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
24/06/2079		24/06/2098		25/06/2115		25/06/2122		25/06/2142	
24/06/2098		25/06/2115		25/06/2122		25/06/2142		00/00/0000	
शनि	27/06/2082	बुध	20/11/2100	केतु	21/11/2115	शुक्र	24/10/2125	सूर्य	12/10/2142
बुध	06/03/2085	केतु	17/11/2101	शुक्र	20/01/2117	सूर्य	24/10/2126	चंद्र	13/04/2143
केतु	15/04/2086	शुक्र	17/09/2104	सूर्य	28/05/2117	चंद्र	24/06/2128	मंगल	19/08/2143
शुक्र	14/06/2089	सूर्य	25/07/2105	चंद्र	27/12/2117	मंगल	24/08/2129	राहु	12/07/2144
सूर्य	27/05/2090	चंद्र	24/12/2106	मंगल	25/05/2118	राहु	24/08/2132	गुरु	01/05/2145
चंद्र	27/12/2091	मंगल	21/12/2107	राहु	13/06/2119	गुरु	25/04/2135	शनि	16/11/2145
मंगल	03/02/2093	राहु	10/07/2110	गुरु	19/05/2120	शनि	25/06/2138		00/00/0000
राहु	11/12/2095	गुरु	15/10/2112	शनि	27/06/2121	बुध	24/04/2141		00/00/0000
गुरु	24/06/2098	शनि	25/06/2115	बुध	25/06/2122	केतु	25/06/2142		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 2 वर्ष 7 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म धनिष्ठा नक्षत्र के प्रथम चरण में मकर लग्न के उदय काल में हुआ था। जन्म लग्न के समय पूर्वीय क्षितिज पर सिंह राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस संबंधित लग्नादि के प्रभाव की ज्योतिषीय आकृति से यह दृष्टिगत हो रहा है कि आपके जन्म प्रभाव के फलस्वरूप आपका जीवन धन, प्रतिष्ठा एवं शक्ति से संपन्न गुणों का प्रतिनिधित्व करायेगा। परंतु आप मन में ऐसी भावना लेकर निश्चिंत न होंवे कि क्योंकि आपके जन्म का जो प्रभाव है वह आपकी परिस्थिति के अनुकूल है इसलिए सब कुछ स्वतः ठीक हो जाएगा। ऐसा न समझे। आपको सफलता की प्राप्ति हेतु कठिन श्रम के अतिरिक्त कोई विकल्प नहीं है। अर्थात् आपकी सफलता का श्रेय आपके परिश्रम और आपकी सच्ची लग्न पर निर्भर करता है।

आपकी महत्वकांक्षा के प्रति आपकी कार्यदक्षता एक अनुग्रहणीय गुण से युक्त है। आप अच्छी प्रकार यह जानते हैं कि आप अपने अंतर्ज्ञान की शक्ति से कुशाग्र बुद्धिमत्ता द्वारा अपनी योजना के प्रति समर्पित होकर उस कार्य योजना को लाभदायक एवं धन प्रदायक बना कर प्रस्तुत कर सकते हैं जो सुदृढ़ सुनिश्चियात्मक है। यदि आप ऐसा करें तो इसकी संभावना से विजयोल्लासित हो सकते हैं।

इस प्रकार आप लाभजनक स्थिति में आ सकते हैं। आप जीवन के 19 वें वर्ष से 24 वें वर्ष की आयु के मध्य आपकी उन्नति एवं आपका भविष्य अन्यों की अपेक्षा उत्तम एवं प्रमुख नक्षत्र की भांति चमत्कृत होगा। आप अपनी वृद्धा अवस्था काल सहजतापूर्वक धन संचय संबंधी भवन का निर्माण कर सकते हैं।

आपकी पत्नी आपकी सीखभरी गुण युक्त निर्देशन प्राप्त करेंगी। क्योंकि लोग आपके पास पहुंच कर महत्वपूर्ण विषयों पर निर्देशन प्राप्त करेंगे। आप मात्र उचित सम्मति ही नहीं प्रदान करेंगे बल्कि आप जरूरतमंद लोगों को धन संबंधी उचित स्रोत की भी व्यवस्था करेंगे। आप निश्चय पूर्वक दान सेवी संस्था को दान भी देंगे। क्योंकि आपका झुकाव धर्म की ओर भी रहता है। इस कारणवश आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण एवं परिदर्शन भी करेंगे।

आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति थोड़ी बहुत सतर्कता बरतनी चाहिए। यद्यपि आप स्वास्थ्य प्रसन्न एवं दीर्घजीवी प्राणी हैं। परंतु ऐसी आशंका है कि आप संबंधित रोगादि से प्रभावित भी हो सकते हैं। यथा चर्मरोग, अपाचन प्रक्रिया एवं क्षयरोगादि। इस संबंध में आप रूचिपूर्वक इस विधान को अंगीकृत करते हैं कि स्वस्थ्य रहने के लिए सतर्कता बरतनी चाहिए। आप सदैव उन संभावित दुर्घटनादि की अनदेखी न करें। जो सामान्य रूप से शरीर में छोटी-मोटी चोटादि होते रहते हैं।

आपके लिए रंगों में पीला एवं क्रीम रंग त्याज्य है। परंतु आपके लिए सफेद, लाल, काला एवं नीला रंग सर्वथा अनुकूल है।

आपके लिए अंकों में 3 अंक सर्वथा प्रतिकूल है। परंतु आपके लिए अनुकूल अंक

6, 8 एवं 9 अंक है। यह सभी महत्वपूर्ण कार्यो के संपादन हेतु लाभजनक है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सर्वोत्तम दिन है। परंतु रविवार, सोमवार एवं गुरुवार का दिन आपके लिए सर्वथा प्रतिकूल है।